http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 18

प्रयागराज बुधवार 02 अक्टूबर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

'सरकारी नौकरी भी मिलेगी'

● सीएम योगी ने पैरा ओलंपिक में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को दिए करोड़ों के चेक

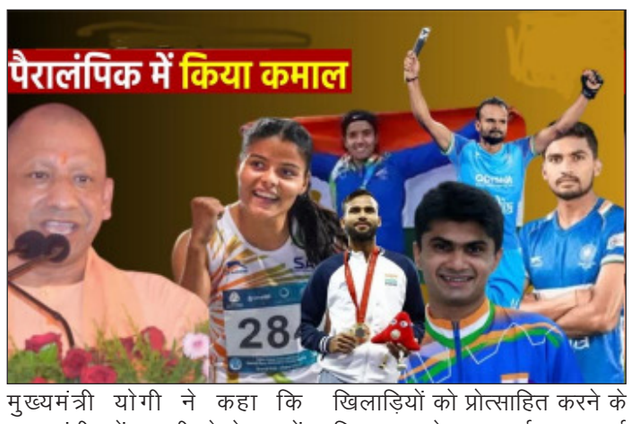

लखनऊ,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पेरिस–2024 में संपन्न ओलंपिक एवं पैरालंपिक गेम्स में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों को करोड़ों रुपये के चेक वितरित किए और उन्हें सरकारी नौकरी देने का वादा किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पेरिस–2024 में संपन्न ओलंपिक एवं पैरालंपिक गेम्स में अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित करने वाले खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने खिलाड़ियों को करोड़ों रुपये के चेक वितरित किए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जो खिलाड़ी मेडल जीते हैं, उन खिलाड़ियों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की नौकरियां भी इंतजार कर रही हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मादी के नेतृत्व में देश के अंदर खेल का जो माहौल बना है। उसका परिणाम आज हम सबको देखने को मिल रहा है। भारत वैश्विक खेल मंचों पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने एक बड़े लक्ष्य को ध्यान में रखकर कार्य करना प्रारंभ किया है। इसके तहत अब हर ग्राम पंचायत में एक–एक खेल का मैदान और हर विकासखंड में एक–एक मिनी स्टेडियम का निर्माण करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए हम लोग हर वर्ष पुरुष वर्ग के लिए श्लक्ष्मण पुरस्कारश तथा महिला वर्ग के लिए श्रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कारश देने की घोषणा की है। आंकड़े बताते हैं कि यूपी में कुल 846640 सरकारी कर्मचारी हैं, इनमें से 7 लाख 88 हजार 506 कर्मचारियों ने ही मानव संपदा पोर्टल पर चल–अचल संपत्ति का ब्यौरा दिया था। जिन विभागों से संपत्ति का ब्यौरा मांगा गया था, उनमें टेक्सटाइल, सैनिक कल्याण, ऊर्जा, खेल, कृषि और महिला कल्याण विभाग, बेसिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य, औद्योगिक विकास और राजस्व विभाग शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले जमैका के पीएम होलनेस, पीएम मोदी बोले...

भारतविश्वसनीय और प्रतिबद्ध भागीदार

● जमैका के किसी प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा, कई समझौता ज्ञापनों पर हुए हस्ताक्षर, दोनों वैश्विक संस्थानों में सुधार पर एकमत

नई दिल्ली,(एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने बताया कि जमैका के प्रधानमंत्री तीन अक्तूबर तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहने वाले हैं। इससे पहले भी प्रधानमंत्री मोदी और जमैका के पीएम होलनेस बहुपक्षीय बैठकों के मौके पर कई बार मिल चुके हैं। जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस चार दिन की यात्रा पर भारत आए हुए हैं। ऐसे में मंगलवार को हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने होलनेस से मुलाकात की। बता दें, जमैका पीएम की यात्रा का उद्देश्य व्यापार और निवेश सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। यह नई दिल्ली की उनकी पहली द्विपक्षीय यात्रा है।इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि जमैका की विकास यात्रा में भारत एक विश्वसनीय भागीदार रहा है। वह कैरेबियाई राष्ट्र के साथ डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, जैव ईंधन, नवाचार और स्वास्थ्य सहित कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता साझा करने के लिए तैयार है। पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने और होलनेस ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की और इस बात पर सहमति जताई कि सभी तनावों और विवादों को बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए। दोनों पक्ष वैश्विक शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि भारत और जमैका इस बात पर एकमत हैं कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित सभी वैश्विक संस्थानों में सुधार आवश्यक है। इसके साथ ही जमैका की विकास यात्रा में भारत विकास भागीदार रहा है और ऐसा ही रहेगा। उन्होंने कहा कि हम डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, जैव ईंधन, नवाचार, स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि के क्षेत्रों में जमैका के साथ अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार हैं। रक्षा क्षेत्र में हम जमैका के सशस्त्र बलों को प्रशिक्षण देने और उनकी क्षमता निर्माण पर आगे बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री ने संगठित अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी, आतंकवाद को दोनों देशों के सामने आम चुनौतियों के रूप में पेश किया। उन्होंने कहा कि भारत–जमैका संबंध साझा इतिहास, लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों के बीच मजबूत संबंधों पर आधारित हैं। इतने दिन भारत में रहेंगे पीएम होलनेस विदेश मंत्रालय ने बताया कि जमैका के प्रधानमंत्री 30 सितंबर से तीन अक्तूबर तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहने वाले हैं।

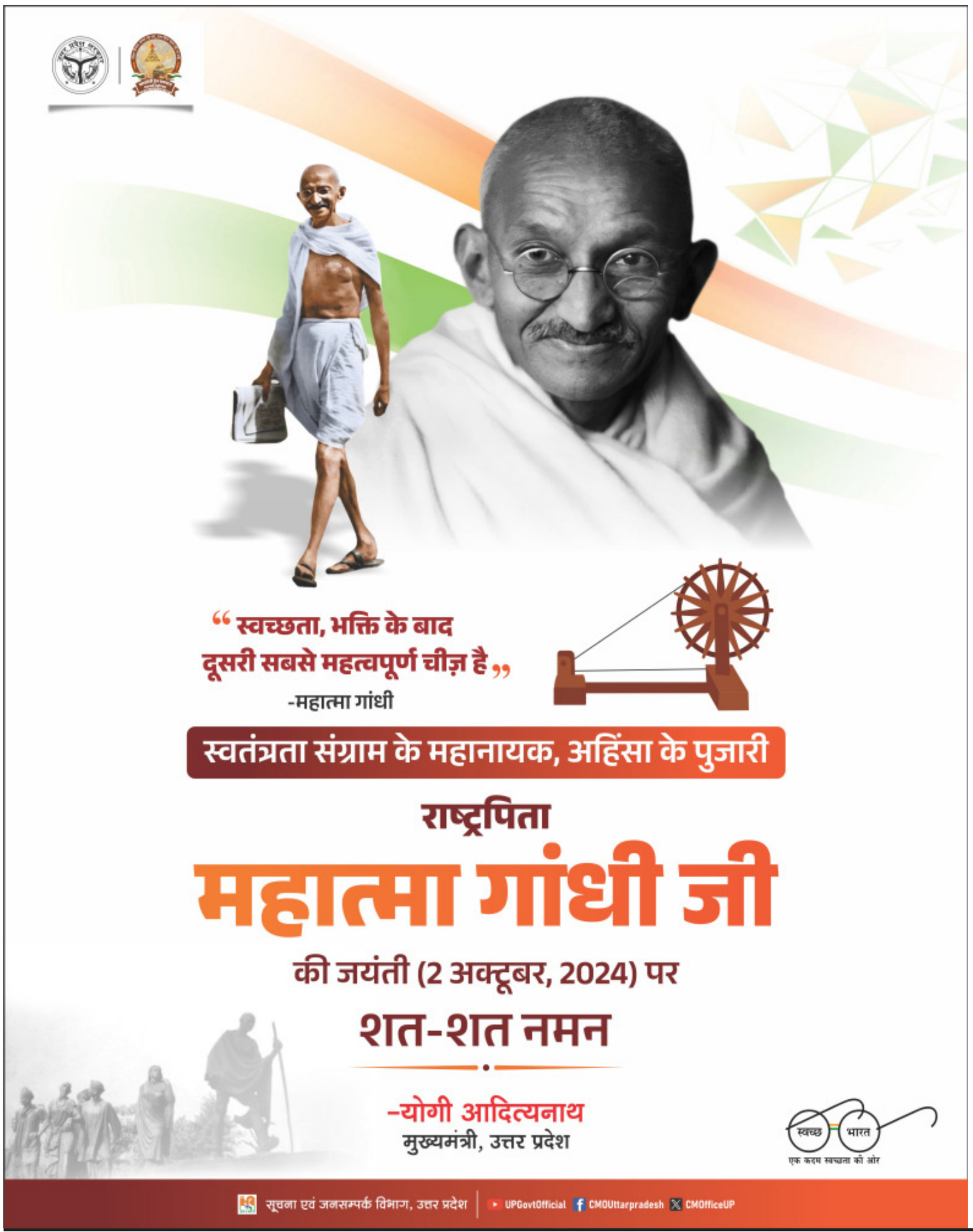

'कांग्रेस नेता शेर, आरएसएस में दम नहीं'

"मैंने देखा कि युवा 7 घंटे इंस्टाग्राम पर लगे रहते हैं। भाजपा इसके जरिए इन युवाओं का ध्यान भटकाती है। अब OBC सब समझ गया है। OBC पूछ रहा है कि राम मंदिर तो बन गया, लेकिन उसमें हमारा एक भी आदमी क्यों नहीं है।

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

● ये लोग मुझे देखकर छुप जाते हैं, मैं बीजेपी, मोदी से नफरत नहीं करताः राहुल

सोनीपत,(एजेंसी)। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा संविधान को खत्म करती है, हम संविधान की रक्षा करते हैं। उन्होंने दावा किया कि आज के हिंदुस्तान में कुछ चुनिंदा अरबपतियों के पास सारा पैसा जा रहा है। वहीं पेट्रोल–डीजल, प्याज जैसी चीजों के दाम बढ़ाकर आपकी जेब से लगातार पैसा निकाला जा रहा है। कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हरियाणा के बहादुरगढ़ में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि हर कोई जानता है कि यहां ड्रग्स का मुद्दा है। मैं मोदी जी से पूछता हूं कि जब अडानी के मुद्रा पोर्ट पर हजारों किलो ड्रग्स पकड़ी गई, तो आपने क्या कार्रवाई की? उन्होंने दावा किया कि जब हम सत्ता में आएंगे, तो 1200 रुपये में बिकने वाला (एलपीजी) गैस सिलेंडर अब 500 रुपये प्रति सिलेंडर पर उपलब्ध होगा। हम हरियाणा के किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य भी देंगे। राहुल ने कहा कि हरियाणा के लोग सेना में जाते थे, लेकिन नरेंद्र मोदी ने श्अग्निवीर योजनाश लाकर इस रास्ते को भी बंद कर दिया है। अग्निवीर योजना हिंदुस्तान के जवानों से पेंशन, कैंटीन और शहीद का दर्जा चोरी करने का तरीका है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के दलितों, पिछड़ों, गरीबों को जो भी मिला है, वो सभी संविधान की देन है। लेकिन भाजपा हमेशा संविधान पर आक्रमण करती रहती है। उन्होंने कहा कि जब आरएसएस के लोग देश के संस्थानों में अपने लोगों को भरते हैं और गरीबों, वंचितों को जगह नहीं देते– वो संविधान पर आक्रमण करते हैं। जब नरेंद्र मोदी, अडानी–अंबानी की मदद करते हैं और हिंदुस्तान में रोजगार का सिस्टम खत्म करते हैं– वो संविधान पर आक्रमण करते हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा संविधान को खत्म करती है, हम संविधान की रक्षा करते हैं।

उन्होंने दावा किया कि आज के हिंदुस्तान में कुछ चुनिंदा अरबपतियों के पास सारा पैसा जा रहा है।

हरियाणा चुनाव में खड़गे की पहली रैली

● पार्टी उम्मीदवार के लिए वोट मांगेंगे, तबीयत बिगड़ने के चलते अंबाला दौरा कैंसिल हुआ था

करनाल,(एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे आज हरियाणा के दौरे पर हैं। वह करनाल की इंद्री विधानसभा क्षेत्र के कुंजपुरा स्टेडियम में रैली को संबोधित कर रहे हैं। मौके पर पूर्व ब्ड भूपेंद्र सिंह हुड्डा और प्रदेश अध्यक्ष उदयभान भी मौजूद हैं। इसे पहले खड़गे अंबाला में रैली करने वाले थे, लेकिन तब उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। इस कारण पार्टी ने अंबाला में उनका दौरा कैंसिल कर दिया था। इसके बाद पूर्व सीएम हुड्ड्डा ने ही उस रैली को संबोधित किया था। अब खड़गे की तबीयत में सुधार है, इसलिए वह हरियाणा की जनता में अपना प्रभाव छोड़ने पहुंचे हैं। कांग्रेस ने इंद्री से राकेश कंबोज को अपना उम्मीदवार बनाया है। राकेश को पिछली बार भी कांग्रेस ने टिकट दिया था, लेकिन वह हार गए थे। पार्टी ने उन पर दोबारा भरोसा जताया है। आज खड़गे उन्हीं के लिए जनता से वोट की अपील करेंगे। राकेश के सामने इंद्री में भाजपा के उम्मीदवार रामकुमार कश्यप हैं, जिन्होंने उन्हें पिछले चुनाव में मात दी थी।खड़गे दलित और हुड्डा जाट वोटरों को रिझाएंगे इंद्री में करीब 23 हजार वोट कंबोज समुदाय के हैं। राकेश कंबोज और पूर्व मंत्री कर्णदेव कंबोज इन्हें रिझाने की कोशिश कर रहे हैं। यहां साढ़े 18 हजार वोट जाट समुदाय के हैं। 44 हजार से ज्यादा मतदाता अनुसूचित जाति के हैं। ये यहां बड़ा वोट बैंक है। खड़गे और उदयभान इस वोट बैंक को अपने पक्ष में करने की कोशिश करेंगे। यहां कश्यप समुदाय के करीब 18 हजार वोट हैं, जो रामकुमार कश्यप की तरफ जा सकते हैं, लेकिन कश्यप समुदाय में उनके खिलाफ कुछ नाराजगी भी है।इंद्री सीट पर मुकाबला त्रिकोणीय बिहार प्रभारी भक्त चरण दास के अनुसार यह बैठक 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर की गई है। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव में किस तरह की और क्या क्या समस्याएं हो सकती हैं।, कैसे हम लोग अपने और अपने गठबंधन की सीटों को जीत सकें इनसब बातों पर चर्चाएं की जाएगी। भक्त चरण दास ने कहा कि इस बैठक में अभी टिकट को लेकर कोई चर्चा नहीं होगी।

खेल क्रांति संभव

देश की दो कम उम्र बेटियों ने ऐसा कमाल किया है, जिसे वर्षो भुलाया नहीं जा सकेगा। मात्र 15 साल की प्रीति स्मिता भोई ने विश्व युवा वेटलिफ्टिंग चौंपियनशिप में 40 किलो वर्ग के क्लीन और जर्क में 76 किलो वजन उठाने का विश्व यूथ रिकॉर्ड बनाने के साथ कुल 133 किलो वजन उठाया।वहीं 16 साल की काम्या कार्तिकेयन ने नेपाल की तरफ से एवरेस्ट पर सफल अभियान किया है। वह यह उपलब्धि पाने वाली देश की सबसे छोटी पर्वतारोही हैं। इन दोनों युवाओं ने अपने प्रदर्शन से साबित किया है कि कोई बात मन में ठान ली जाए तो उसे पूरा किया जा सकता है।

प्रीति स्मिता ओडिशा के पिछड़े इलाके ढेंकनाल से ताल्लुक रखती हैं। उन्होंने मात्र दो साल की उम्र में ही पिता को खो दिया था। पर मां ने अपनी बेटी को आगे बढ़ाने के लिए हर तरह का बलिदान दिया और उसका केंद्रीय विद्यालय में दाखिला करा दिया।

वहां कोच गोपाल कृष्ण दास की उनके ऊपर निगाह पड़ी तो उन्होंने प्रीति को वेटलिफ्टर बनने की सलाह दी। और आज हमारे सामने विश्व रिकॉर्डधारी खड़ी है। वहीं काम्या एक सपन्न परिवार से ताल्लुक रखती हैं।

उनके पिता एस कार्तिकेयन नौसेना में कमांडर हैं। पिता ने बेटी को इस क्षेत्र में आगे बढने के लिए भरपूर साथ दिया है। वह इस अभियान में भी काम्या के साथ एवरेस्ट तक गए थे। मुंबई के नौसेना विद्यालय में 12वीं में पढने वाली काम्या ने नेपाल की तरफ से सफल अभियान करके सबसे कम उम्र में अभियान पूरा करने का रिकॉर्ड बनाया। दोनों प्रदर्शन यह जताते हैं कि भारत में विभिन्न खेलों में प्रतिभाओं की तो कमी नहीं है, जरूरत सिर्फ उन्हें आगे लाने की है।

हमारे यहां पहले भी तमाम युवाएं प्रतिभाएं कमाल करती रहीं हैं। पर इस तरह के मामले में अक्सर खिलाड़ी अपनी इच्छा शक्ति के दम पर तमाम मुश्किलों का सामना करके आगे आते रहे हैं। हमने धाविका हिमा दास जैसे तमाम एथलीटों को घर से प्रशिक्षण स्थल तक पहुंचने में तमाम बाधाओं को पार करने की तमाम कहानियां पढ़ी हैं।अगर देश में दूरस्थ स्थानों तक खेल सुविधाओं का नेटवर्क फैलाया जाए तो देश में खेल क्रांति संभव है। हम यदि ऐसा कर सके तो दो–तीन दर्जन पदक जीतकर देश की प्रतिष्ठा को चार चांद लगते देख सकेंगे।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय ज्योतिष विभाग लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

आपातकाल में संघ की भूमिका महत्त्वपूर्ण अध्याय

डॉ. प्रशांत बड़थ्वाल

भारतीय राजनीति में जब कभी भी लोकतांत्रिक इतिहास का कलंकित अध्याय खोला जाएगा, तो वह तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा सांविधानिक प्रावधानों की निर्मम हत्या कर देश में आपातकाल की घोषणा 25 जून की मध्यरात्रि ही रहेगा।

आपातकाल महज नागरिक स्वतंत्रता को निलंबित करना एवं समाज में पुनरू निरंकुश कानून को स्थापित करना भर नहीं था, बल्कि इलाहबाद उच्च न्यायालय में गांधी की एकतरफा हार का प्रमुख कारण रहा। तत्पश्चात अपने हजारों राजनीतिक विरोधियों को गिरफ्तार किया गया, प्रेस की स्वतंत्रता को कम कर दिया गया और सरकार के लिए खतरा माने जाने वाले संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। उन संगठनों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) एक प्रभावशाली संगठन था।

इसके बाद जो हुआ, वह आरएसएस के इतिहास के सबसे उल्लेखनीय अध्यायों में से एक शनिष्क्रिय प्रतिरोध आंदोलनन्य था, जिसने प्रतिबंध की पुरजोर अवहेलना की और अपने संगठनात्मक ढाँचे को काफी हद तक अक्षुण्ण रखा और आपातकाल का विरोध करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रतिरोध के शीर्ष पर संघ के तत्कालीन सरसंघचालक मधुकर दत्तात्रेय देवरस (बालासाहेब देवरस) थे। उन्होंने अपनी गिरफ्तारी से पूर्व कार्यकताओं और स्वयंसेवकों को संबोधित किया और कहा कि, श्इस असाधारण स्थिति में, स्वयं सेवक अपना संतुलन खोने के लिए बाध्य नहीं हैं। 26 जून, 1975 की सुबह जैसे ही आपातकाल की घोषणा की खबर पूरे भारत में फैली, देश में अविश्वास और भय की भावना फैल गई।आपातकाल का लागू होना राजनीतिक उथल–पुथल, आर्थिक चुनौतियों और इंदिरा गांधी की बढ़ती सत्तावादी प्रवृत्तियों के दौर की परिणति के रूप में आया। संघ, जो लंबे समय से गांधी की चुनिंदा नीतियों की आलोचना करता रहा, आपातकाल की घोषणा के कुछ ही घंटों के भीतर उनके प्रमुख नेताओं को घेर लिया गया और गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि यह संघ की दूरदर्शिता ही थी कि शीर्ष नेतृत्व ने इस तरह के कदम का पूर्वानुमान लगा लिया था।

आपातकाल से कुछ समय पूर्व जैसे–जैसे राजनीतिक तनाव बढ़ा, बालासाहब देवरस और संघ के अन्य वरिष्ठ नेतृत्व ने आकस्मिक योजनाएं बनानी शुरू कर दी थीं। उन्हें दृढ़ विश्वास था कि संगठन की यह तैयारी उस तूफान का अपनी क्षमतापूर्वक सामना करने में महत्त्वपूर्ण साबित होगी जो इसे घेरने वाला था और जनकल्याण हेतु कार्य में विघ्न उत्पन करने वाला था। संघ के वरिष्ठ प्रचारक और लोक संघर्ष समिति के संयोजक, नानाजी देशमुख (जिन्होंने 1977 में जनता पार्टी के बैनर तले विपक्ष को एक साथ लाने में अहम भूमिका निभाई) और के. एस. सुदर्शन ने भी पत्रों के माध्यम से विभिन संगठनों के साथ भी संवाद किया। संघ पर सरकार की कार्रवाई त्वरित और कठोर थी। शीर्ष नेतृत्व से लेकर स्थानीय स्तर के हजारों कार्यकर्ताओं एवं स्वयंसेवकों तक को गिरफ्तार किया गया और जेल में डाल दिया गया।संगठन के कार्यालयों पर छापे मारे गए और दस्तावेज के साथ संपत्ति भी जब्त कर ली गई। 4 जुलाई, 1975 को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माने जाने वाले कई अन्य संगठनों के साथ संघ को आधिकारिक रूप से श्मीसा कानून्य के अंतर्गत प्रतिबंधित कर दिया गया था। इस भारी–भरकम दृष्टिकोण के बावजूद संघ नई वास्तविकता के लिए पुनरू अनुकूल होने में कामयाब रहा। संघ ने अपने स्थानीय शाखाओं की अनूठी संरचना से राष्ट्र में व्याप्त भय के वातावरण में भी विकेंद्रीकृत नेतृत्व के साथ जनमानस तक केंद्र सरकार की निरंकुश नीतियों का दमन और समाज में अन्य वर्ग के लोगों की सहायता से कई प्रचार–प्रसार के कार्य सफलतापूर्वक किया, जिसमें स्वयंसेवकों के अलावा सामान्य जनता का भी सरकार के प्रति रोष संघ के लिए अतुलनीय योगदान के रूप में सिद्ध हुआ।

वर्ष 1975 के अंत में जेल से बाहर आकर आपने संदेश में देवरस ने लिखा–श्वर्तमान संकट वैचारिक मतभेदों से परे है। लोकतंत्र और कानून के शासन में विश्वास रखने वाले सभी लोगों को हमारे मौलिक अधिकारों पर इस हमले का विरोध करने के लिए एक साथ आना चाहिए। इस निर्देश से संघ और अन्य विपक्षी समूहों के बीच सहयोग बढ़ा, जिसमें समाजवादी और मध्यमार्गी शामिल थे। देवरस ने अहिंसक प्रतिरोध के महत्व पर भी जोर दिया।उन्होंने स्वयंसेवकों को निर्देश दिया कि वे अधिकारियों के साथ टकराव से बचें जो हिंसा का कारण बन सकते हैं, इसके बजाय सविनय अवज्ञा और भूमिगत संगठनात्मक कार्य पर ध्यान केंद्रित करें। अपनी औपचारिक संरचनाओं के बाधित होने के कारण आरएसएस ने संगठन को सुचारू रूप से सक्रिय रखने के लिए भूमिगत संचालन के सबसे उल्लेखनीय पहलुओं में से एक इसकी दैनिक शाखाओं की निरंतरता को रखा। आपातकाल के दौरान संघ ने भारत के सबसे काले समय में लोकतांत्रिक परिवर्तन की संभावना को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। चाहे कोई संघ की विचारधारा से सहमत हो या नहीं, आपातकाल के दौरान इसकी भूमिका को भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में एक महत्त्वपूर्ण अध्याय के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए।

नीट परीक्षा की पवित्रता पर प्रश्चिनचिन्ह

अजय दीक्षित

देश के प्राइवेट और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एन.टी.ए) नीट परीक्षा आयोजित कराती है । (नेशनल एलिजिबिलिटी और इन्टरैंस टेस्ट) । इस वर्ष यह परीक्षा 7 मई को आयोजित हुई थी । परीक्षा के तत्काल बाद अनेक शहरों के छात्र–छात्राओं ने परीक्षा रद्द करके पुनरू परीक्षा की मांग की । शुरू में तो केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने परीक्षा की पवित्रता पर प्रश्नचिन्ह उठाने वालों को नकारा । पर जैसे–जैसे समय बीतता गया मालूम हुआ कि वास्तव में पेपर लीक हुआ था । पिछले दिन बिहार में पकड़े गये एक छात्र ने बतलाया कि परीक्षा से पहली रात उसे जिन प्रश्नों के उत्तर रटवाये गये थे, अगले दिन परीक्षा में हू–ब–हू वही प्रश्न आये । इस छात्र का कहना है कि उसके फूफा ने उसे एक रात पहले कोटा से पटना बुलाया और उसे बिचौलिए ने लगभग 25–30 लाख रुपये लिये । अब पुलिस को धरपकड़ में और भी छात्र–छात्राओं ने स्वीकारा कि उन्हें पर्चा पहले से मालूम था ।

असल में टेस्ट की पूरी प्रक्रिया क्या है ? किसी एक व्यक्ति से पहले पेपर बनवाया जाता है । अब कहा जा रहा है कि कई व्यक्ति पेपर बनाते हैं और फिर कोई एक वरिष्ठ इन सभी प्रश्न पत्रों को मिलाकर एक नया पेपर तैयार करता है । इस व्यक्ति की विश्वसनीयता पर कोई शक नहीं कर सकता क्योंकि यह व्यक्ति बहुत वरिष्ठ और निष्ठावान होता है । अब प्रश्न पत्र टाइपकिया जाता है । कहा जाता है कि जो इसे टाइप करता है उसे परीक्षा होने तक एक प्रकार से कैद में रखा जाता है । या उस पर पूरी निगरानी रखी जाती है । अब प्रश्न पत्र छपने के लिए किसी प्रिंटिंग प्रेस को भेजा जाता है । इस प्रेस का नाम भी कोई नहीं जान सकता ।

फिर पेपर कहां से लीक होता है? कहते हैं कि विभिन्न केन्द्रों में जो पेपर पहले भेज दिये जाते हैं, उन केन्द्रों से कहीं पेपर पहले खोल कर उसे लीक किया जाता है । यद्यपि यह भी असंभव लगता है क्यों कि परीक्षा के दिन पेपर पर पर्यवेक्षकों के सामने खोल जाता है और उनके हस्ताक्षर लिये जाते हैं । फिर हर सेंटर पर एन.टी.ए. का एक प्रतिनिधि भी रहता है ? शायद पेपर बनाने वाले या टाइप करने वाले या केन्द्र से पेपर लीक होता है । इसकी जो जांच हो रही है वह गोपनीय है । अतरू विश्वास पूरक यह कहना कठिन है कि पेपर कहीं से लीक होता है । बिहार, गुजरात और अन्यत्र पकड़े गये लड़के और लड़कियों ने स्वीकारा है कि उन्हें परीक्षा की पहली रात पेपर रटाया गया था, अब कहते हैं कि इस माफिया ग्रुप को कई करोड़ का लेन–देन प्रकट हुआ है ।

यह प्रकरण सुप्रीम कोर्ट में भी चल रहा है । 20 जून को हुई सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के बाद अब आगामी तारीख 7 जुलाई को दी गई है । सुप्रीम कोर्ट ने चयन के लिए होने वाले साक्षात्कार पर रोक लगाने से अभी मना कर दिया है । पर जिस तरह से कुछ छात्रों ने पेपर लीक को स्वीकारा है तो क्या यह परीक्षा रद्द होगी । चलते–चलते खबर आई है कि यू.जी.सी. की नेट परीक्षा जो 16 जून को हुई थी उसे यू.जी.सी. ने निरस्त कर दिया है क्योंकि मंत्रालय को शक है कि परीक्षा में गड़बड़ी हुई है ।असल में इस परीक्षा के लिए विद्यार्थी बहुत मेहनत करता है । जो ज्यादा अंक पाते हैं उन्हें सरकारी मेडिकल कॉलेज मिल जाता है । यहां फीस भी कम लगती है और पढ़ाई का स्तर भी काफी ऊंचा है । प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में फीस कई गुना ज्यादा है और वहां की फैकल्टी भी उतनी अच्छी नहीं होती । इससे आगे चलकर उस विद्यार्थी को पी.जी. में प्रवेश भी नहीं मिल पाता । सरकारी मेडिकल कॉलेज में पढ़े हुए को नौकरी भी अच्छे अस्पतालों में मिल जाती है ।कुल प्रश्न बच्चों की मेहनत का है । कोटा या अन्यत्र इतना पैसा खर्च करके विद्यार्थी जो तैयारी करता है, वह व्यर्थ जाती है यदि परीक्षा रद्द कर दी जाती है । आगे आने वाले दिनों में ही पता चलेगा कि सरकार क्या निर्णय लेती है और सुप्रीम कोर्ट क्या फैसला सुनाता है ।परन्तु कुल मिलाकर देश के युवाओं के साथ नीट परीक्षा में खिलवाड़ ही हुआ है? शायद भविष्य में सरकार और सख्त कदम उठाये क्यों कि मोदी जी किसी भी भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टोलरेंस रखते हैं ।

कितनी बार अपने ही संस्थापक को मारेगा बांग्लादेश

आर.के. सिन्हा

शेख हसीना का इस्तीफा बांग्लादेश के लिए एक दुखद अध्याय के रूप में याद किया जाएगा। उतनी ही दुखद वे तमाम छवियां है, जिन्हें आज सारी दुनिया टेलीविजन पर देख रही है। इनमें सैकड़ों लोग बांग्लादेश के संस्थापक और शेख हसीना के पिता बंगबंधु शेख मुजीब उर रहमान की मूरत पर चढ़कर उसे हथौड़े मारकर तोड़ रहे हैं। जिस बंगबंधु की कुर्बानियों के चलते बांग्लादेश का 1971 में स्वतंत्रता संग्राम के बाद जन्म हुआ था, उनकी तस्वीरों और मूरत को तोड़ा और फाड़ा जा रहा है। और पूरी दुनिया ने इसे देख रही है। मैं तो उन चन्द युद्ध संवाददाताओं में एक था जिसने बांग्लादेश के ष्राष्ट्रपिताष कहे जाने वाले स्वतंत्रता संग्राम के नेता शेखष मुजीब के पराक्रम, चमत्कार और करिश्माई नेतृत्व को मुक्ति वाहिनी के संघर्ष से लेकर भारत– पाक के युद्ध के बाद बॉग्लादेश की स्वतंत्रता तक नजदीकी से देखा है। फिर यह भी देखा है कि 1975 में किस तरह उनके परिवार के अधिकांश सदस्यों (विदेश में रह रही हसीना बच गई थीं) की क्रूरतापूर्वक हत्या कर दी गई थी। अब उनकी बेटी और बांग्लादेश को प्रगति के रास्ते पर लेकर जाने वाली शेख हसीना को भी निर्वाचित प्रधानमंत्री पद छोड़ने के लिए भी मजबूर होना पड़ा। उन्हें देश छोड़ने के लिये मात्र 45 मिनट का अल्टीमेटम दिया गया था, जिसके बाद देश फिर से सेना के पूर्ण नियंत्रण में आ गया है। सेना प्रमुख, जनरल वाकर–उज–जमान, जो इस साल 23 जून से पद पर हैं, ने एक ष्अंतरिम सरकारष का वादा किया है। लेकिन , इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि आदेश कौन देगा। उन्होंने विपक्षी दलों से बात की है। उन्होंने शेख हसीना की राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी, पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया को रिहा कर दिया है। खालिदा जिया के प्रधानमंत्रित्व काल में बांग्लादेश इस्लामी आतंकवाद का केंद्र बन गया था। खालिदा जिया घनघोर भारत विरोधी रहीं हैं । खालिदा जिया की रिहाई से भारत की विदेश नीति को तय करने वाले चिंतित जरूर होंगे। खालिदा जिया जब अपने देश की प्रधानमंत्री थीं तब वहां टाटा ग्रुप की इनवेस्टमेंट करने की योजना का कसकर विरोध हुआ था। उसे हवा खालिदा की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी(बीएनपी) ही दे रही थी। टाटा ग्रुप की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से की जा रही थी। टाटा ग्रुप को ईस्ट इंडिया कंपनी जैसा बताने वाले भूल गए थे कि टाटा ग्रुप भारत से बाहर दर्जनों देशों में स्वच्छ, स्वस्थ और पारदर्शिता पूर्ण कारोबार करता है। वहां पर तो उस पर कभी कोई आरोप नहीं लगाता।

शेख हसीना सरकार का तख्ता पलटने के साथ ही वहां जमाते ए इस्लामी और भारत विरोधी ताकतें हिन्दुओं और प्राचीन हिन्दू मंदिरों पर हमला करने लगी हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमले शेख हसीना के दौर में कमोबेश खत्म हो गए थे। वहां पर अब तो धर्मनिरपेक्ष ताकतों के लिए स्पेस जीवन के सभी क्षेत्रों में घट रहा है। बांग्लादेश में कठमुल्ले कट्टर इस्लामिक हिन्दुओं की जान के पीछे पड़े हुए हैं। उन्हें तो बस मौके भर की तलाश होती है। यह अफसोसजनक बात है कि बांग्लादेश में हिन्दू कतई सुरक्षित नहीं हैं। जबकि बांग्लादेश में सदियों से बसे हिन्दुओं ने बंग बंधु के नेतृत्व में बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया था ।

राजधानी दिल्ली में निर्वासित जीवन जी रही तस्लीमा नसरीन ने अपने उपन्यास "लज्जा" में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की दर्दनाक स्थिति पर

विस्तार से लिखा है । इसलिए ही उनकी जान के भी दुश्मन हो गए थे कठमुल्ले। मुझसे एक– दो बार तस्लीमा मिलने क्या आ गईं कि मुझे भी सलाहपूर्ण धमकियों भरे कॉल आने लगे थे।उसी विरोध के कारण तसलीमा को भी अंततः अपनी मातृभूमि बांग्लादेश सदा के लिये छोड़ना पड़ा था। तस्लीमा नसरीन का उपन्यास 'लज्जा'1993 में पहली बार प्रकाशित हुआ था। वह लज्जा में साम्प्रदायिक उन्माद के नृशंस रूप को सामने लाती है। लज्जा के आने के बाद कट्टरपंथियों ने उनके खिलाफ फतवा जारी किया था। जिस कारण से वह अमेरिका चली गईं थीं। अपनी जान बचाने की गरज से तस्लीमा लम्बे अरसे तक स्वीडन, जर्मनी, फ्रांस और अमेरिका में भी रहीं । वह 2004 में कोलकाता आ गईं थीं। उन पर 2007 में हैदराबाद में भारत के कठमुल्लों ने हमला भी किया पर वे बाल बाल बच गईं।

बांग्लादेश में जेसोर, देबीगंज, राजशाही, शांतिपुर, प्रोधनपारा और आलमनगर में हिन्दुओं पर सर्वाधिक जुल्मों–सितम होते रहे हैं। जब 1947 में भारत का बंटवारा हुआ था, उस समय पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) में हिन्दू वहां की आबादी के 30 से 35 फीसदी के बीच थे। पर 2011 की जनगणना के बाद वहां हिन्दू देश की कुल आबादी का मात्र 8 फीसदी ही रह गए हैं। शेख हसीना के दौर से पहले बांग्लादेश में शायद ही ऐसा कोई दिन बीतता हो, जब किसी हिन्दू महिला के साथ कट्टरवादी बदतमीजी न करते हों। कोई महिला कट्टरवादियों का विरोध करती , तो उसे निर्ममता पूर्वक मौत के घाट उतार दिया जाता ।

बांग्लादेश में हिन्दू महिलाएं हमेशा ही कट्टरपंथियों के निशाने पर रही हैं। राह चलती किसी लड़की को सरेआम उठाकर कहा जाता है कि उसने इस्लाम कबूल कर लिया है और उसका जबरन निकाह किसी मुस्लिम से कर दिया जाता है। इसलिए दोनों देशों के हिन्दू भारत आना चाहते हैं। यही वजह है कि कुछ लोग सवाल उठाने लगे हैं कि क्या कुछ साल बाद पाकिस्तान और बांग्लादेश हिन्दू–विहीन हो जाएंगे?क्या बांग्लादेश में हिन्दुओं के उत्पीड़न की खबरें उन भारतीय सेकुलरवादियों तक नहीं पहुंचती हैं, जो हमास के किसी आतंकी को मारे जाने पर इजराईल को पानी पी–पीकर कोसते हैं? बहरहाल, एक बात तो माननी ही होगी कि शेख हसीना ने भारत के पूर्वोत्तर को सुरक्षित बनाने में बहुत योगदान दिया था। उन्होंने अपने देश के कठमुल्लों को कभी भारत के पूर्वोत्तर भागों में अपना खेल खेलने की इजाजत नहीं दी। क्या अब यह क्षेत्र फिर से आतंकवादियों का केंद्र बन जाएगा? शेख हसीना, जो 2009 से सत्ता में थीं और दुनिया की सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली नेता रहीं। लेकिन, वे भी कई कमियों की शिकार रहीं। वह उन चेतावनियों को पढ़ने में विफल रहीं जो एक सामाजिक–आर्थिक और संभावित रूप से भावनात्मक मुद्दे पर विरोध प्रदर्शनों के साथ आई थीं। हाल के आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग 1971 के स्वतंत्रता संग्राम के स्वतंत्रता सेनानियों के लिए आरक्षित नौकरी कोटे को समाप्त करने की थी, जिसे उनके बच्चों और यहां तक कि पोते–पोतियों तक बढ़ा दिया गया था। नौकरी कोटा उन लोगों को नुकसान पहुंचा रहा था , जिन्हें इसका लाभ नहीं हुआ था और आर्थिक संकट के बीच शेख हसीना के विरोधियों के लिए यह काम आया।

शेख हसीना ने पहले उन्हें श्रजाकारश (स्वतंत्रता संग्राम के पाकिस्तान समर्थक विरोधी) कहा, और फिर उन्हें श्आतंकवादीश कहा। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कोटे को न्यूनतम तक कम कर दिया था। इससे यह उम्मीद बनी थी कि अब बंगलादेश फिर से अमन की तरफ लौट जाएगा।लेकिन , यह उम्मीद गलत साबित हुई। पांच हफ्तों के विरोध प्रदर्शनों के दौरान बल के प्रयोग, ने जनता के गुस्से को और बढ़ा दिया था। खैर, बांग्लादेश अब तो एक गहरे संकट में जा चुका है। अब इस बात की उम्मीद कम ही है कि वहां पर जिंदगी निकट भविष्य में पटरी पर लौट जाएगी। जो देश अपने संस्थापक का अपमान करता हो, उससे क्या उम्मीद की जा सकती है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में हुआ १४४३०६ वादों का निस्तारण

वर्षो से अलग रह रहें दम्पतियों की एक साथ बिदायी करायी गई

प्रतापगढ़। जनपद न्यायालय परिसर प्रतापगढ़ में राष्ट्रीय लोक अदालत व राष्ट्रीय हिन्दी दिवस का उदघाटन माननीय जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष/जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अब्दुल शाहिद द्वारा मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रशासनिक न्यायमूर्ति उच्च न्यायालय इलाहाबाद माननीय नीरज तिवारी जी ने वर्षो से अलग रह रहें दम्पतियों की एक साथ बिदायी करायी गई तथा उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। माननीय न्यायमूर्ति द्वारा सभी न्यायिक अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अधिक से अधिक संख्या में आपसी सुलह समझौते से मुकदमों का निस्तारण लोक अदालत में करें, जिससे अधिक से अधिक वादकारियों को लाभ मिल सके। हिन्दी दिवस के अवसर पर माननीय न्यायमूर्ति महोदय द्वारा सभी न्यायिक अधिकारियों को हिन्दी में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होने इस बात पर जोर दिया कि हिन्दी भाषा के प्रयोग से वादकारियों को उनके वादों के बारे में पूर्ण जानकारी हो पायेगी। इस अवसर पर माननीय जनपद न्यायाधीश, माननीय पीठासीन अधिकारी एमए0सी0टी0, अपर जनपद न्यायाधीश कक्ष संख्या–01 द्वारा अपने विचारो को व्यक्त किया तथा सभी को हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संयोजन/संचालन सुमित पंवार अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने किया। इस अवसर पर समस्त न्यायिक अधिकारीगण एवं अधिवक्ता संगठनों के पदाधिकारीगण, वरिष्ठ अधिवक्तागण, मध्यस्थगण, पैनल अधिक्तागण, लीगल एड डिफेन्स काउन्सेल एवं पी0एल0वी0गण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 144306 वादों का निस्तारण किया गया जिनमें 5130 फौजदारी वाद, 09 एन0आई0 एक्ट, 215 विद्युत वाद, 32 मोटर दुर्घटना वाद, 52 वैवाहिक वाद, 104 सिविल वाद, 1041 बैंक ऋण, 15 बी0एस0एन0एल0 वाद, कलेक्ट्रेट प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा 120040 मामले, यातायात विभाग द्वारा 17660 वाद एवं उपभोक्ता फोरम द्वारा 06 एवं स्थायी लोक अदालत के 02 वादों का निस्तारण किया गया। उपरोक्त प्रकरणों के अन्तर्गत फौजदारी वादों में 733817 रूपये का अर्थदण्ड वसूल किया गया, मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति वादों में मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के अधिकारी दिवाकर चतुर्वेदी द्वारा कुल 32 मामलो में विपक्षी बीमा कम्पनियों से पीड़ित याचीगण को रूपये 18760000 का प्रतिकर दिलाया गया, उत्तराधिकार वादों में 6889119 रूपये का उत्तराधिकार प्रमाणपत्र जारी किया गया। बैंको के बकाया ऋण के 1041 मामलों में बैंक एवं बकायेदारो के मध्य 93000000 रूपये एवं बी0एस0एन0एल0 15 वादों में कुल रूपया 36792 का समझौता हुआ। परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश द्वारा 52 वैवाहिक मामलों में पति पत्नी के मध्य सौहार्दपूर्ण समझौता कराया गया। उभय पक्षों को जनपद न्यायालय के सभागार में माननीय न्यायमूर्ति उच्च न्यायालय इलाहाबाद नीरज तिवारी, जनपद न्यायाधीश एवं परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश द्वारा मिठाई देकर उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामना दी गयी। इस राष्ट्रीय लोक अदालत के सफलतापूर्ण आयोजन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पराविधिक स्वयं सेवकों, पैनल अधिवक्तागण, मध्यस्थगण, परिवार न्यायालय परामर्शदाता ममता सिंह एवं कर्मचारीगण व बैंक अधिकारियों का सहयोग सराहनीय रहा।

ई–रिक्शा चालकों पर अंकुश लगाने हेतु दिया ज्ञापन

कछौनाध्हरदोई।ई–रिक्शा चालकों के बेलगाम के कारण कछौना कस्बा का एक युवा हंसमुख मिलनसार व्यापारी दुर्घटना के कारण आसमान मृत्यु हो गई। परिवार के ऊपर दुःख का पहाड़ टूट पड़ा। इस घटना से लोगों में काफी आक्रोश है। किसी और बेगुनाह की जान न जाए। जिसका दंश परिवार को जीवन भर झेलने को विवश हो गया। कछौना के व्यापारियों ने शुक्रवार को कोतवाली कछौना में प्रभारी निरीक्षक के साथ बैठकर बेलगाम ई–रिक्शा चालकों पर अंकुश लगाने के विषय में ज्ञापन दिया।

बताते चले ,कस्बा कछौना सहित ग्रामीण क्षेत्र में ई रिक्शा बड़े पैमाने पर मानकों को ताक पर रखकर चल रहे हैं। यह चालक बिना लाइसेंस, नाबालिक, बिना पंजीकरण, बिना बीमा, क्षमता से ज्यादा सवारी, धड़ल्ले से नशे में धुत होकर चला रहे हैं। जिसका खामियाजा आमजन मानस को उठाना पड़ता है।ई–रिक्शा चालकों को अनियंत्रित तरीके से चलने के कारण आए दिन राहगीर चुटहिल होते हैं। यहां तक एक युवा व्यापारी की जान चली गई। वही गलत तरीके से खड़े करने के कारण रेलवे स्टेशन फाटक के दोनों तरफ, इंदिरा मार्केट, बाबूलाल पुलिया, कछौना चौराहा पर जाम की स्थिति बनी रहती है। वहीं कई ई–रिक्शा चालक अपराधी होने के कारण लोगों छात्राओं महिलाओं में असुरक्षा की प्रबल संभावना रहती है। व्यापारियों व रिक्शा चालकों के साथ बैठक में वार्ता की गई। व्यापारियों ने प्रभारी निरीक्षक को दिए गए ज्ञापन में बताया ई–रिक्शा चालकों को स्टाप व रूट का निर्धारण किया जाए, सभी ई–रिक्शा के नंबर डाले जाएं।

सांसद राकेश राठौर और ब्लॉक प्रमुख में बहस

सीतापुर(आरएनएस)। परसेंडी क्षेत्र पंचायत की बैठक में जबरन कोरम पूरा कराने को लेकर काग्रेस सांसद राकेश राठौर और ब्लॉक प्रमुख राजेन्द्र राजवंशी की खण्ड विकास अधिकारी के सामने ही मंच पर बहस हो गई। बहस इस कदर बढ़ी कि सांसद ने ब्लॉक प्रमुख और बीडीओ को फर्जीवाड़ा करने पर एफआईआर कराने तक की हिदायत दे डाली। क्षेत्र पंचायत सदस्यों के सामने हुई सांसद और ब्लॉक के बीच नोकझोंक का वीडियो भी सामने आया है। कहासुनी के बाद कोरम पूरा न होने के चलते बैठक स्थगित हो गई। हालांकि इससे पहले ही सांसद वहां से निकल गए। ब्लॉक प्रमुख और बीडीओ धनंजय सिंह ने विकास कार्यों को लेकर दूसरी बार क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक बुलाई थी। ब्लॉक पर आयोजित बैठक के दौरान सपा सांसद राठौर भी मौजूद रहे। बताया जाता है कि दोपहर 2 बजे तक बैठक में क्षेत्र पंचायत सदस्यों की संख्या कोरम के अभाव में कम आई थी। आरोप है कि कोरम पूरा कराने के किये क्षेत्र पंचायत सदस्यों के फर्जी हस्ताक्षर किए गए थे। इस सूचना के आधार पर सांसद खण्ड विकास अधिकारी से क्षेत्र पंचायत सदस्यों के हस्ताक्षर मिलान करवा रहे।

संक्षेप

अयोध्या से प्रतापगढ़ तक बनेगी एक्सेस कन्ट्रोल के साथ नई सड़क

अयोध्या(आरएनएस)। पूर्व सांसद लल्लू सिंह के प्रयासों से रामनगरी से प्रतापगढ़ तक ग्रीन फील्ड 6 लेन एक्सेस कन्ट्रोल हाईवे निर्माण के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने स्वीकृत दे दी है। 6 लेन की इस सड़क के निमार्ण हो जाने से अयोध्या से प्रयागराज के मध्य आवागमन में यात्रियों की सुविधाओं में विकास होगा। नई बनने वाली सड़क वर्तमान सड़क के समानान्तर बनाई जाएगी। वर्तमान में अयोध्या से प्रतापगढ़ टू–लेन तथा प्रतापगढ़ से प्रयागराज 4 लेन की सड़क से आवागमन होता है। अयोध्या–प्रयागराज मार्ग में पूर्व सांसद के प्रयासों से प्रतापगढ़–सुल्तानपुर 4–लेन की स्वीकृत हो चुका था। अयोध्या से प्रतापगढ़ मार्ग 4–लेन प्रस्तावित था। पूर्व सांसद के प्रयासों से अयोध्या से प्रतापगढ़ तक 6–लेन हाईवे की स्वीकृत प्राप्त हो गई है। नए 6–लेन हाईवे की स्वीकृत मिलने के बाद पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने संत–महंतों तथा अयोध्यावासियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी का आभार व्यक्त किया है। पूर्व सांसद ने बताया कि अयोध्या प्रयागराज तथा बनारस धार्मिक तथा अध्यात्मिक महत्व के क्षेत्र है। देश विदेश से आने वाले श्रद्धालु तीनों स्थलों में दर्शन पूजन करना चाहते है। नए 6–लेन हाईवे के निर्माण हो जाने से अयोध्या–प्रयागराज के मध्य आवागमन आसान होगा। जिससे श्रद्धालु आसानी से अयोध्या से प्रयागराज जा सकेंगे।उन्होंने कहा कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यहां आने वाले श्रृद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। एयरपोर्ट के निर्माण के बाद वायु मार्ग से अयोध्या पूरे देश से जुड़ गया है। रेलयत्रियों की सुविधा के लिए अयोध्या में अर्न्तराष्टीय स्तर के रेलवे स्टेशन का निर्माण हो चुका है। आसपास के स्टेशन का भी समुचित विकास कराया जा रहा है। नवीन 6 लेन की सड़क निर्माण से दर्शनार्थी सुविधा पूर्वक सड़क मार्ग द्वारा अयोध्या से प्रयागराज की यात्रा कर सकेंगे।

शिक्षा के बिना समाज की प्रगति असम्भव रू यश पाठक

अयोध्या(आरएनएस)। रामलला गुरुकुल वैदिक पाठशाला में युवा भाजपा नेता यश पाठक "बाबा" एक विशेष हवन में मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने वेदपाठी ब्रह्मचारियों के साथ हवन पूजन किया। इस अवसर पर महंत जय राम दास, आचार्य सदाशिव तिवारी, अनुज प्रतीक व आदित्य विशेष रूप से उपस्थित रहे।गुरुकुल हमारे सनातन धर्म की नींव के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महंत जय राम दास ने कहा कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए गुरुकुल की स्थापना अत्यंत आवश्यक है। इस तरह के संस्थानों से हमारे बच्चे सनातन धर्म पर केंद्रित और अपनी भाषा एवं संस्कृति पर आधारित शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे, जिससे आने वाली पीढ़ियाँ संस्कारवान और नैतिक रूप से सुदृढ़ होंगी। हवन के यजमान यश पाठक ने कहा कि आज के आधुनिक युग में शिक्षा के बिना समाज की प्रगति संभव नहीं है। इसी प्रकार, गुरुकुल के बिना सनातन संस्कृति की प्रगति भी संभव नहीं है। महंत जय राम दास ने कहा कि गुरुकुल शिक्षा का उद्देश्य न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक शिक्षा देना है, बल्कि बच्चों को संस्कार युक्त अत्याधुनिक शिक्षा प्रदान करना भी है। इस अवसर पर उपस्थित विद्वानों और ब्रह्मचारियों ने गुरुकुल की महत्ता और सनातन धर्म की उन्नति के लिए इस तरह की शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता पर भी चर्चा की। कार्यक्रम का समापन हवन और आशीर्वचन के साथ हुआ, जिसमें सभी ने धर्म, शिक्षा और संस्कृति के संरक्षण का संकल्प लिया।

विपणन निरीक्षक कार्यालय करे सम्पर्क

मीरजापुर(आरएनएस)। कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार विभाग, उप्र मीरजापुर व खाद्यान्न मिलर्स व्यापार संघ के साथ कृषि भवन, पिपराडाड़, मीरजापुर में बैठक उप कृषि निदेशक, विकेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। जिसमें अध्यक्ष, पूर्वांचल व्यापार मण्डल मुकेश साहू ने चावल निर्यात हेतु आवश्यक मानक व शर्तो के अनुसार बिन्दु जानने की अपेक्षा की। जिसके सम्बन्ध में श्री संजय कुमार, ज्येष्ठ कृषि विपणन निरीक्षक, मीरजापुर ने विस्तृत जानकारी दी। संजय कुमार ने निर्यात के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की तथा जी आई टैक पर भी विस्तार से जानकारी दी गयी जिसमें बताया गया कि कृषि निर्यात उन्मुख क्लस्टर निर्माण, पंजीकरण एवं निर्यात दायित्व पूर्ण होने पर विकास खण्ड की सीमान्तर्गत प्रथम 50 हे0 से 100 हे. तक 5 वर्षो में रू 10 लाख। तथा प्रत्येक 50 हे0 अतिरिक्त क्षेत्र बढ़ने पर रू 06 लाख अतिरिक्त प्रोत्साहन देय है। 30 प्रतिशत निर्यात पर प्रथम वर्ष 40 प्रतिशत एवं उसके पश्चात 15 प्रतिशत प्रति वर्ष आगामी 04 वर्ष तक निर्यात होने पर प्रोत्साहन अनुदान का भुगतान किया जायेगा।

जमीन पर नहीं करने दे रहे निर्माण

जगतपुर,रायबरेली(आरएनएस)। थाना क्षेत्र के पूरे शुक्लन मजरे चिचौली में भूमिधरी जमीन की हदबरारी व पत्थर गड़ी के बाद भी दबंगों द्वारा जमीन पर निर्माण करने नहीं दिया जा रहा है। जिसको लेकर पीड़ित इधर–उधर अधिकारियों की चौखट पर चक्कर लगा रहा है।थाना क्षेत्र के पूरे शुक्लन मजरे चिचौली के रहने वाले राजकुमार ने बताया कि उनके पैतृक व भूमि धरी जमीन है। जिसकी हद बरारी कराई गई और पत्थरगढ़ी के बावजूद भी विपक्षी सुरेश कुमार द्वारा निर्माण नहीं करने दिया जा रहा है। वही निर्माण कर रहा तो तब पुलिस व क्षेत्रीय लेखपाल मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य को रोक दिया पीड़ित का आरोप है कि पूर्व में भी विपक्षी द्वारा उसके परिजनों को मारपीट का लहू लुहान किया गया था। आज भी जान माल की धमकी दे रहा।है पीड़ित अपनी ही भूमिधरी जमीन पर निर्माण कर रहा है। उसके बावजूद दबंगों द्वारा निर्माण नहीं करने दिया जा रहा।

एनकाउंटर की मजिस्ट्रेटी जांच करेंगी लंभुआ एसडीएम

सुल्तानपुर(आरएनएस)। एक लाख के इनामी बदमाश मंगेश को गुरुवार तड़के एसटीएफ ने कोतवाली देहात मिश्रपुर पुरैना के पास मुठभेड़ में मार गिराया था। तब से ही एनकाउंटर पर सवाल खड़े हो रहे हैं। डीएम कृतिका ज्योत्सना ने मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश दे दिए हैं, एसडीएम लम्भुआ विदुषी सिंह को पंद्रह दिन के अंदर जांच रिपोर्ट सौंपनी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी एनकाउंटर पर उंगली उठाते हुए कहा था कि पुलिस ने जाति देखकर गोली मारी है। इसी क्रम में लूटे गए ज्वैलर भरत जी सोनी ने कहा है कि लूटा गया सोना उन्हें अब तक नहीं मिले हैं।

एडीएम गौरव शुक्ला ने पूरे मामले में बताया कि शासन के निर्देश पर डीएम ने एसडीएम लम्भुआ को जांच सौपी है, उन्हें पंद्रह दिन के अंदर अपनी जांच रिपोर्ट सौंपनी है। ऐसे में मंगेश के परिवार के साथ साथ आसपास के लोग भी अपना बयान दर्ज करा सकते हैं, लखनऊ–वाराणसी हाइवे पर कोतवाली देहात थाना अंतर्गत मिश्रपुर पुरैना गांव पास बीते गुरुवार तड़के एक लाख के इनामी बदमाश मंगेश यादव को यूपी एसटीएफ ने मुठभड़ में मार गिराया था। एसटीएफ का दावा है कि उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया था। गुरुवार शाम तीन डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम के दौरान उसके सिर में साइड से व बाएं हाथ में गोली लगी मिली, पोस्टमार्टम की कार्रवाई की वीडियोग्राफी भी करवाई गई थी। एसटीएफ सीओ डीके शाही के अनुसार मंगेश यादव और उसका साथी सुल्तानपुर से जौनपुर भागने की फिराक में थे, इनपुट के आधार पर टीम ने हनुमानगंज बाईपास पर उन्हें घेरा, सुबह 4 बजे दोनों बदमाश बाइक से जा रहे थे, उन्हें रोकने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने टीम पर फायर कर दिया। टीम ने खुद को बचाने के लिए जवाबी फायरिंग की जिसमें मंगेश यादव घायल हो गया। जिला अस्पताल में उसकी मौत हो गई, दूसरा बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। मंगेश के पास से 31 की पिस्टल, 315 बोर का तमंचा, बाइक और लूटे गए जेवर बरामद किए हैं। वही व्यापारी भरत जी का कहना है कि उन्हे अभी तक पूरा माल वापस नही मिला है और लूटे गये सोना का तो उक टुकड़ा भी नही मिला।

11 अक्टूबर को होगा ग्रामोदय विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय का आगामी दीक्षांत समारोह 11 अक्टूबर को होगा। रजत जयंती भवन स्थित बोर्ड रूम में तैयारियों की समीक्षा करते हुए कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा ने आयोजन को गरिमामय ढंग से सम्पन्न कराने के लिए प्रो आईपी त्रिपाठी अधिष्ठाता विज्ञान एवं पर्यावरण संकाय के मुख्य संयोजकत्व में आयोजन समिति के गठन और पदाधिकारियों को नामित करने के निर्देश दिए हैं।उन्होंने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय के लिए उसका दीक्षांत समारोह महत्वपूर्ण होता है। इस मौके पर विगत दीक्षांत समारोह के कार्य अनुभव और गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर कुलसचिव नीरजा नामदेव, संकायों के अधिष्ठाता प्रो अमरजीत सिंह, प्रो रघुवंश प्रसाद बाजपेई, डॉ सुधाकर मिश्रा, डॉ आज्जनेय पांडेय, प्रो शशिकांत त्रिपाठी, डॉ साधना चौरसिया, डॉ त्रिभुवन सिंह, डॉ एसके अरासिया, अकादमिक और प्रशासनिक विभागाध्यक्ष रहे।

'एडीएम व डीआईजी की अध्यक्षता में 170 प्रार्थना पत्रों में 19 मामले का निस्तारण

लालगंज, मीरजापुर(आरएनएस)। संपूर्ण समाधान दिवस तहसील सभागार में डीआईजी आरपी सिंह व एडीएम शिव प्रताप शुक्ला की अध्यक्षता में शनिवार को संपन्न हुआ। फरियादियों की समस्या का निस्तारण उपजिलाधिकारी गुलाबचंद्र ने किया। फरियादियों द्वारा कुल 170 प्रार्थना पत्र दिए गए जिसमें 19 प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारण कर शेष बचे प्रार्थना पत्रों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस टीम गठित कर निस्तारण करने का आदेश दिया गया। समाधान दिवस के अंत में उप जिलाधिकारी गुलाब चंद्र ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि फरियादियों द्वारा प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों के निस्तारण में शासन की मंशा अनुरूप मौके पर जाकर दो गवाहों के समक्ष फरियादी की समस्या को निस्तारण करते हुए समय के अंदर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जिससे कोई समस्या बार–बार न आये। किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगा। इस अवसर पर तहसीलदार आशीष कुमार पांडे, पुलिस क्षेत्राधिकारी अशोक कुमार सिंह, नायब तहसीलदार चंद्रगुप्त सागर, खंड विकास अधिकारी लालगंज, हलिया, थाना प्रभारी लालगंज संजय कुमार सिंह, ड्रमंडगंज अरविंद सरोज, वन क्षेत्राधिकारी के के सिंह समेत अधिकारी व राजस्व निरीक्षक लेखपाल मौजूद रहे।

हिन्दी दिवस कार्यक्रम का आयोजन

प्रतापगढ़। जनपद के एमडीपीजी कालेज में हिन्दी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय इलाहाबाद के माननीय न्यायमूर्ति नीरज तिवारी ने दीप प्रज्जवलित व माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस दौरान माननीय जनपद न्यायाधीश अब्दुल शाहिद, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अर्चना तिवारी, जिलाधिकारी संजीव रंजन, पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार, दर्शनशास्त्र विभाग इ0वि0वि0 इलाहाबाद के अध्यक्ष प्रो0 ऋषिकान्त पाण्डेय, एमडीपीजी कालेज के अध्यक्ष प्रमन मिश्रा, एमडीपीजी कालेज के प्राचार्य डा0 अरविन्द मिश्र, जनपद हिन्दी साहित्य सम्मेलन के आनन्द कुमार पाण्डेय सहित अधिवक्तागण, सम्भ्रान्त नागरिक व अध्यापकगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने ''काव्योपवन'' एवं ''भारतीय संस्कृति में राम'' नामक पुस्तक का विमोचन भी किया।

> हिन्दी भाशा भारतीयों को जोड़ने वाली एकता की महत्वपूर्ण कड़ी है–न्यायमूर्ति नीरज तिवारी

हिन्दी दिवस के अवसर पर माननीय न्यायमूर्ति नीरज तिवारी ने कहा कि हिन्दी हमारी मातृभाषा है, हम सब मिलकर अपनी भाषा के प्रति अपना प्रेम और मजबूत करें इसके प्रसार के लिये काम करने का संकल्प ले। हिन्दी भाषा को पूरे देश में फैलाने का कार्य करें, हिन्दी भाषा का आसानी से समझा जा सकता है। हिंदी भाषा भारत की एकता की मजबूत कड़ी है। यह हम भारतवासियों को एक–दूसरे से जोड़ने का काम करती है। यह हमारी पहचान का मजबूत आधार है। किसी भी देश की भाषा उसकी पहचान होती है और हिंदी हमारी पहचान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हिंदी से हम अपनी भावनाओं को आसानी से व्यक्त कर सकते हैं। यह भाषा हमें एक–दूसरे से जोड़ती है और हमें अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने में मदद करती है। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश अब्दुल शाहिद ने कहा कि हिन्दी भाषा के प्रचार प्रसार के लिये हम सबका दायित्व है कि हिन्दी भाषा को अपने व्यवहारिक प्रयोग में लाये जिससे इसका निरन्तर विकास होता रहे। इसी प्रकार अन्य वक्ताओं ने भी अपने–अपने विचार व्यक्त किये।

योजनाओं की दी गई जानकारी

राजापुर (चित्रकूट)। नगर पंचायत के बारात घर में मछुआ समुदायों के बीच मत्स्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में संगोष्ठी हुई। जिसमें समुदाय के लोगों के उत्थान के लिए कई प्रकार की कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा की गई।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए मत्स्य विकास अधिकारी दीपक मिश्रा ने कहा कि प्रदेश सरकार ने यमुना के किनारे बसने वाले केवट, धीमर, घोघ, मल्लाह आदि मछुआ समुदाय के लिए मत्स्य आखेट को पट्टे देने की योजना चलाई है। जिसमें मत्स्य किसान क्रेडिट कार्ड, पांच लाख रुपए तक फ्री बीमा, साइकिल, बाइक, टाटा पिकअप 40 प्रतिशत के अनुदान पर दिए जाने का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना व मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना भी जनपद में लागू की गई है। इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए मत्स्य विभाग से रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। मत्स्य जीवी सहकारी समिति राजापुर भभेट के अध्यक्ष अमरलाल निषाद व सचिव घनश्याम निषाद ने कहा कि समाज को एकता के साथ ही रहकर समुदाय के बीच व्यापार करना लाभप्रद सिद्ध होगा। अपील किया कि नशामुक्त होकर आने वाले भविष्य पर ध्यान दें। इस अवसर पर सभासद राममिलन निषाद, सीताराम, नन्हूलाल, बाबू, कमतू, संतोष कुमार, रमई निषाद, सुरेश, लक्षन, अजय, रामसिया आदि मौजूद रहे।

कारागार राज्यमंत्री ने बाढ़ पीड़ितों को बांटी राहत सामग्री

सीतापुर(आरएनएस)। कारागार राज्य मंत्री सुरेश राही गुरुवार को बाढ़ प्रभावित रतोली गाँव पहुंचे। कारागार राज्य मंत्री ने इस मौके पर 500 ग्रामीणों को बाढ़ राहत सामग्री वितरित की। कारागार राज्य मंत्री सुरेश राही, उप जिलाधिकारी आकांक्षा गौतम ने क्षेत्र के ग्राम शाहपुर स्थित दंडकारेश्वर मंदिर प्रांगण में बाढ़ प्रभावित ग्राम स्कूल वाली रतौली के 500 ग्रामीणों को बाढ़ राहत सामग्री का वितरण किया। इस मौके पर उन्होंने उप जिलाधिकारी आकांक्षा गौतम को निर्देशित करते हुए कहा कि कोई भी बाढ़ प्रभावित ग्रामीण राहत सामग्री से वंचित नहीं रहना चाहिए। जांच कराकर सभी बाढ पीड़ितों को मुआवजा देने की कार्यवाही की जाए।

बनाई रणनीति, स्काउट शिक्षक सम्मानित

चित्रकूट। भारत स्काउट और गाइड जिला संस्था ने शुक्रवार को श्री गंगा प्रसाद जनसेवा इंटर कालेज कर्वी के सभागार में संगोष्ठी का आयोजन किया। स्काउट प्रार्थना के उपरांत चित्रकूट इंटर कालेज के राज्य पुरस्कार प्राप्त स्काउट मास्टर लालमन को संस्था की ओर से सम्मानित किया गया। ततपश्चात संगठन के विस्तार व जनपद के प्रत्येक विद्यालय में स्काउट, गाइड बच्चों के प्रवेश, प्रथम व द्वितीय सोपान प्रशिक्षण, जांच शिविरों के आयोजन पर विचार किया गया। साथ ही बीएसजी ज्ञान प्रतियोगिता, सर्वोत्तम कैडेट प्रतियोगिता के अधिक से अधिक पंजीकरण पर भी चर्चा हुई।पूर्व जिला सचिव मइयादीन पटेल ने कहा कि सेवा की संस्था है। सभी लोग तन मन से कार्य करें। स्काउट शिक्षक लालमन ने कहा कि दुनिया मे सभी लोग अपने लिए जीते है परंतु कुछ पल दूसरों की सेवा के लिए निकालना चाहिए। जिला सचिव सुरेश प्रसाद ने को आगे बढ़ाने पर जिला सचिव सुरेश प्रसाद को माला पहनाकर व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर

संगोष्ठी का संचालन करते हुए सभी से अपील किया कि कुछ अलग पहचान बनाने के लिए संस्था के दायित्व को मन से स्वीकार करते हुए कार्य करें। कार्यक्रम मे लगातार आठ वर्षों से संस्था जिला स्काउट शिक्षक दयानंद सिंह, जिला प्रशिक्षण आयुक्त मोहनलाल दीन, जिला संगठन आयुक्त प्रेमचंद सहित बद्रीनारायण कुशवाहा, अनिल कुमार सिंह, छेदीलाल सोनकर आदि मौजूद रहे।

मानक विहीन बन रहे जन सेवा केंद्र का काम ग्रामीणों ने रुकवाया

लालगंज,रायबरेली(आरएनएस)। विकासखंड के शाहपुर के गांव प्रतापपुर में सरकारी सहज जन सेवा केंद्र बन रहा है जिसमें ठेकेदार मनमानी तरीके से खराब मौरंग, पीला ईंटा और पतली सरिया का उपयोग कर रहा है। मानक विहीन निर्माण होने से गांव वासियों ने मौके पर पहुंचकर काम बंद करा दिया और कहा कि अगर सही सामग्री का प्रयोग नहीं होगा तो काम नहीं करने दिया जाएगा। प्रतापपुर में पंचायत भवन परिसर में ही सरकार के द्वारा सहज जन सेवा केंद्र के लिए एक अतिरिक्त कक्षपास किया गया है जिसमें पंचायत सहायक और अन्य सरकारी कर्मचारी की बैठेंगे। गांव के लोगों की सुविधा के लिए सहज जन सेवा केंद्र का निर्माण हो रहा है लेकिन सहज जन सेवा केंद्र के भवन निर्माण में ठेकेदार खराब सामग्री का प्रयोग कर रहा है जिसके कारण लोगों में नाराजगी व्याप्त है। प्रतापपुर के संदीप यादव ,उमाशंकर ,राम आधार ,श्री कृष्ण, संजय यादव, रमेश कुमार ,सुंदर पासी, मोहित पासी आदि का कहना है कि स्लेप में क्रैक जाल पड़ना चाहिए लेकिन सादा जाल डाल दिया गया है जिसमें सरिया भी बहुत ही पतली डाली गई है।मसाले में सीमेंट का भी ढंग से उपयोग नहीं हो रहा है, जिससे भवन के मजबूत बनने के बाबत प्रश्न चिन्ह खड़ा हो गया है।इसके पूर्व हुई शिकायत में अवर अभियंता निर्माण विभाग के पहुंचे थे जिन्होंने कहा था कि निर्माण में सही सामग्री का ही उपयोग होगा। लेकिन बीच में ही फिर से गड़बड़ काम होने लगा जिसके कारण मंगलवार को ग्रामीणों ने फिर से काम रुकवा दिया है।मौके पर पहुंचे ग्राम पंचायत विकास अधिकारी सतीश चंद्र ने मामले की जानकारी ली और ग्रामीणों को आस्वस्त किया कि सही सामग्री के उपयोग के बाद ही काम चालू होगा। संदीप यादव ने कहा कि योगी सरकार भले ही भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की कोशिश कर रही है ।

गांव में कैंप लगाकर की जांच, दी दबाएं

सीतापुर(आरएनएस)। बुधवार को साण्डा सीएचसी अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार सचान के निर्देश पर डॉ.आदिअंत वर्मा एलटी राजेन्द्र प्रसाद ने सकरन क्षेत्र के खजुरा, चीतपुर , कुर्मिनपुरवा में कैम्प लगा कर ग्रामीणों की जांच की। डॉक्टरों ने करीब 200 मरीजो के स्वास्थ्य की जांच की। जांच के बाद मरीजों को दवाइयों का बितरण किया गया । स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सकों ने लोगों को बताया कि बुखार आने पर तुरन्त नजदीकी पीएचसी व सीएचसी पर जाकर डॉक्टर से परामर्श लेकर दवाइयां लें। रात में बाहर खुले में न सोएं । बगैर चिकित्सक की सलाह दवाइयों का सेवन न करें इस मौके पर क्षेत्रीय जिला पंचायत सदस्य हरगोबिंद यादव, प्रधान प्रतिनिधि राम सिंह , आशा बहू के अलावा स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे द्य

सदर तहसील में डीएम–एसपी ने सुनी लोगों की समस्याएं

रायबरेली (आरएनएस) ।संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जनपद की सभी तहसीलों में तहसील दिवस का आयोजन किया गया। सदर तहसील में जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने पुलिस अधीक्षक अभिषेक अग्रवाल के साथ लोगों की समस्याएं सुनी। इस अवसर पर उनके सामने कुल 110 शिकायतें आए जिनमें से सात का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जिलाधिकारी के सामने सर्वाधिक राजस्व विभाग से संबंधित मामले आये। जिसका निस्तारण करने के लिए उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी के सामने पेयजल, सुरक्षा, विद्युत, चिकित्सा, पेंशन, सड़क, जल निकासी, पशु विभाग और शिक्षा विभाग से संबंधित शिकायतें आयीं। जिलाधिकारी ने लोगों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया की जनता की समस्याओं का समय अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाए। जमीनी विवाद के मामले को निस्तारित करते समय दोनों पक्षों की बातें अवश्य सुनी जाए। अगर किसी मामले में पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त जांच आदि की आवश्यकता हो तो टीम बनाकर मामले की जांच की जाए। बेवजह लोगों को परेशान ना किया जाए। जनता की समस्याओं का निस्तारण सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने पिछले तहसील दिवस में आई हुई शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता जानने के लिए उपस्थित जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया। अधिकारियों ने संबंधित शिकायतकर्ताओं को फोन करके उनकी समस्याओं के निस्तारण के संबंध में हुई कार्यवाही की जानकारी ली।

अमृत कलश टाइम्स
हिन्दी दैनिक

प्रयागराज

प्रयागराज,बुधवार 02 अक्टूबर 2024

वैज्ञानिक सोच बच्चों व देश के लिए बहुत जरूरी।

प्रयागराज। विकास खंड चाका जनपद प्रयागराज मे आयोजित राष्ट्रीय आविष्कार अभियान कार्यक्रम में बीईओ चाका नरेन्द्र देव मिश्रा ने कहा

कि वैज्ञानिक सोच बच्चों व देश के लिए बहुत जरूरी है। कार्यक्रम का शुभारंभ विकासखंड के 32 विद्यालयों से आए 96 बच्चों के लिए बनाए गए 25 बहुविकल्पीय प्रश्नों से हुआ जिसमें 25 स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों में से पांच टीम क्विज प्रतियोगिता के लिए बनाई गई और एक टीम विजयी घोषित हुई जो जनपद में प्रतिभा करेगी। इन्हीं 25 बच्चों का साक्षात्कार करते हुए पांच सर्वश्रेष्ठ बच्चों का चयन भी जनपद के लिए किया गया जो वहां पर विकासखंड की तरफ से विज्ञान के मॉडल प्रस्तुत करेंगे।कार्यक्रम का आयोजन गणित के नोडल एआरपी अरविंद मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में अंतरिक्ष शुक्ला का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में सुधीर पांडेय, सावित्री, अमर कुमार,राजेन्द्र प्रसाद,करतार सिंह, प्रेम सिंह, शालिनी श्रीवास्तव, सुरैया नाज, मीनाक्षी द्विवेदी, आस्था श्रीवास्तव, संदीप गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शामिल सभी बच्चों को प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो प्रदान किया गया।

सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्मों का पुनः क्रमांकन।

प्रयागराज। मण्डल के सुबेदारगंज स्टेशन पर सुलेमसराय साइड से प्लेटफार्म संख्या 1, 2ध्3 एवं 4ध्5 एवं 6 आवंटित है । वर्तमान समय में सुबेदारगंज स्टेशन के प्लेटफार्म सख्या 6 पर आरक्षण कार्यालय, बुकिंग कार्यालय, टिकट परीक्षक कार्यालय, स्टेशन मास्टर कार्यालय एवं प्रतीक्षालय सहित अधिकांश यात्री सुविधाए उपलब्ध है । इस स्टेशन पर यात्रियों का अधिकांश आवागमन कालिंदीपुरम साइड से होता है। रेलवे प्रशासन ने वर्तमान एवं भविष्य की सुविधाओ और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए दिनांक 05.10.2024 से सुबेदारगंज स्टेशन के प्लेटफार्मो का पुनः क्रमांकन किया जा रहा है ।

वर्तमान नामकरण	रू अनुमोदित नामकरण
प्लेटफार्म संख्या– 6	रू प्लेटफार्म संख्या– 01
नवनिर्मित प्लेटफार्म– 4ध्5	रू प्लेटफार्म संख्या– 2ध्3
प्लेटफार्म संख्या– 2ध्3	रू प्लेटफार्म संख्या– 4ध्5
प्लेटफार्म संख्या–01	रूप्लेटफार्म संख्या–06

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 9920242025 ई-निविदा सूचना दिनांक : 30.09.2024

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएं प्रपत्र पर दिनांक 22.10.2024 को 13:30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार हैः-

क्र.सं. : 1- नि. सं.: 218, कार्यों का विवरण : सहायक मण्डल इंजीनियर/इटावा के अन्तर्गत वरिष्ठ खण्ड अभियन्ता/कार्य/इटावा के खण्ड में दो साल के लिए सेप्टिक टैंक, कॉलोनी ड्रेन/नाला की सफाई का कार्य।
अनुमानित मूल्य (₹): 26,00,368.00 | अग्रिम धन राशि मूल्य (₹): 52,000.00
कार्य समापन की अवधि : 24 माह
पात्रता मापदंड के अर्न्तगत सिमिलर कार्यः निल

क्र.सं. : 2- नि. सं.: 219, कार्यों का विवरण : प्रयागराज मण्डल में मौजूदा बड़े और छोटे पुलों की आयामी विवरणों का संग्रह तथा नक्शा बनाने का कार्य।
अनुमानित मूल्य (₹): 28,72,512.81 | अग्रिम धन राशि मूल्य (₹): 57,500.00
कार्य समापन की अवधि : 06 माह
पात्रता मापदंड के अर्न्तगत सिमिलर कार्यः निल

क्र.सं.:3- नि. सं.: 220, कार्यों का विवरण : (क) वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर/तृतीय/प्रयागराज के अन्तर्गत गाड़ी परिचालन को सुगम बनाने के लिए 07 मार्गस्थ स्टेशनों पर पुरूष एवं महिला के लिए सामान्य विश्राम कक्ष की व्यवस्था। (ख) सहायक मण्डल इंजीनियर/फिरोजाबाद के अन्तर्गत मैनपुरी (एम.एन.क्यू.) आउटपोस्ट के लिए 10 बिस्तरों वाले रेलवे सुरक्षा बल बैरक की व्यवस्था।
अनुमानित मूल्य (₹): 1,18,81,042.90 | अग्रिम धन राशि मूल्य (₹): 2,09,400.00
कार्य समापन की अवधि : 12 माह
पात्रता मापदंड के अर्न्तगत सिमिलर कार्यः भवन का निर्माण।

क्र.सं.:4- नि. सं.: 221, कार्यों का विवरण : वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर/तृतीय/प्रयागराज के खण्ड में 60 किग्रा और आर-260 ग्रेड रेल के लिए वेल्डिंग भागों की आपूर्ति और स्टैकिंग का कार्य।
अनुमानित मूल्य (₹): 1,85,06,190.81 | अग्रिम धन राशि मूल्य (₹): 2,42,500.00
कार्य समापन की अवधि : 12 माह
पात्रता मापदंड के अर्न्तगत सिमिलर कार्यः आर.डी.एस.ओ. अनुमोदित फर्म से ही 52 किग्रा/60 किग्रा एलुमिनो थर्मिक वेल्डिंग पोर्शन की आपूर्ती।

निविदा खुलने की तिथि : क्रम सं. 1 से 4 के लियेः- 22.10.2024

नोटः- (1) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की तिथि दिनांक 22.10.2024 तक उपलब्ध है। निविदा खोलने की नियत तारीख को 15:00 बजे या उसके बाद खोला जाएगा। (2) उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नही की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T.Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पर ही विचारणी है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म। लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं, तो उस पर विचार नही किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (4) सभी निविदादाता निविदा संख्या 220 से 221 जिसमें निविदा का मूल्य ₹ 50 लाख से ज्यादा है के लिए Annexure-V & V(A) (Document Verification Certificate) की आवश्यकता है। माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी.एस.टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। (5) संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिये। (6) निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in पर भी अपलोड कर दिया गया है। (7) निविदा प्रपत्र की धरोहर राशि Online Internet Banking के Payment Gateway या Bank Guarantee Bond के द्वारा निविदा प्रपत्र के पैरा 12.0 के अनुसार जमा की जायेगी। (8) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। (9) आनलाइन निविदा दिनांक 22.10.2024 को 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। (10) निविदा प्रपत्र में दिये गये अन्य निर्देषों के साथ-साथ, निविदा दाता निविदा के साथ जमा किये जाने वाले प्रपत्रों हेतु निविदा प्रपत्र के पैरा 12.0 बयाने की राशि (Bid Security Deposit) पर विशेष ध्यान दें। (11) ई-टेण्डर फार्म सभी निविदाकारों का मुफ्त जारी किए जाएंगे। (12) निविदा संख्या 218 से 221 के लिए निविदादाता को जी.सी.सी.-2022 (वर्क्स मामले भाग-1) के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में आवश्यक दस्तावेजों का निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 1732/24 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

गाय को राजकीय पशु घोषित किए जाने पर शिवसासैनिको ने जताई खुशी

प्रयागराज। संवाददाता हंडिया महाराष्ट्र सरकार द्वारा गाय को राजकीय पशु घोषित किए जाने पर शिव सैनिको ने खुशी का इजहार किया है।शिवसैनिकों ने मुख्य मंत्री एकनाथ शिंदे का आभार व्यक्त करते हुए एक दुसरे को बधाई दी है। हंडिया के वार्ड न पांच स्थित निर्मल निकुंज कालोनी में केंद्र में भाजपा की सहयोगी पार्टी शिवसेना के प्रयागराज जिला संयोजक विनोद पांडेय की अगुवाई में एक बैठक का आयोजन किया गया। अयोजन में मौजूद शिवसैनिकों को सम्बोधित करते हुये श्री पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा उठाए गए कदम की जितनी भी प्रसंशा की जाय वह

कम है। उन्होंने सभी राज्यों के लिए एक नजीर पेश की है। बैठक में मौजूद शिव सैनिको ने एक दूसरे का मुंह मीठाकर खुशी का इजहार करते हुऐ एक दुसरे को बधाई दी है। इस मौके पर अधिकवक्ता प्रकोष्ठ के जिला संयोजक वशिष्ठ नारायण पाण्डेय, जिला प्रवक्ता डा राजेश कुमार यादव, विधान सभा अध्यक्ष प्रयाग पांडेय, तहसील अध्यक्ष सुभाष सिंह, हृदय नारायण पाण्डेय, राकेश यादव, पारस नाथ सहित तमाम शिवसौनिक मौजूद रहे।

मद्यनिषेध विभाग द्वारा किया गया प्रदर्शनी, संगोष्ठी आदि कार्यक्रमों का आयोजन

प्रयागराज। मद्यनिषेध विभाग द्वारा 25 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक नशामुक्ति जागरूकता अभियान के तहत जनपद के विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शनी,रैली,मद्यनिषेध सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं मद्यनिषेध संगोष्ठी आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 01 अक्टूबर,को खुला आश्रय गृह, शान्तीपुरम आवास योजना, फाफामऊ, में स्वै0 संस्था ग्रामोत्थान जनसेवा संस्थान, प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में मद्यनिषेध प्रदर्शनी, मद्यनिषेध सांस्कृतिक कार्यक्रम, एवं संगोष्ठी आदि कार्यक्रमों का आयोजन मुख्य अतिथि सुधीर कुमार गुप्ता उपनिदेशक समाज कल्याण विभाग, प्रयागराज मण्डल की गरिमामयी उपस्थित में कराया गया। चारूल मिश्रा क्षेत्रीय मद्यनिषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी,ने नशे के दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला एवं कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय को क्षेत्रीय मद्यनिषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी ने नशा न करने की प्रतिज्ञा दिलायी।

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, निम्नलिखित त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत हैः-

गाड़ी संख्या : 04048/04047 आनन्द विहार टर्मिनल - कटिहार जंक्शन - आनन्द विहार टर्मिनल आरक्षित त्योहार विशेष रेलगाड़ी

04048-आनन्द विहार ट0 - कटिहार जं0			04047-कटिहार जं0 - आनन्द विहार ट0	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	15:20	आनन्द विहार टर्मिनल	17:50	----
22:10	22:15	गोविन्दपुरी	10:40	10:45
01:15	01:20	प्रयागराज जंक्शन	08:00	08:05
15:00	----	कटिहार जंक्शन	----	18:00

गाड़ी संरचना : वातानुकूलित प्रथम श्रेणी-01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01, वातानुकूलित द्वितीय सह तृतीय श्रेणी-02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-01, स्लीपर श्रेणी-10, सामान्य श्रेणी-01

आनन्द विहार टर्मिनल से : गाड़ी संख्या 04048 प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार दिनांक 08,11, 15, 18, 22, 25, 29 अक्टूबर 2024 एवं दिनांक : 01, 05, 08, 12, 15, 19, 22, 26 नवम्बर 2024

कटिहार जंक्शन से : गाड़ी संख्या 04047 प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार दिनांक : 09, 12, 16, 19, 23, 26, 30 अक्टूबर 2024 एवं दिनांक : 02, 06, 09, 13, 16, 20, 23, 27 नवम्बर 2024

गाड़ी संख्या : 04070/04069 नई दिल्ली - राजगीर - नई दिल्ली वातानुकूलित आरक्षित त्योहार विशेष रेलगाड़ी

04070 - नई दिल्ली - राजगीर			04069 - राजगीर - नई दिल्ली	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	00:20	नई दिल्ली	23:10	----
06:30	06:40	गोविन्दपुरी	13:45	13:50
10:30	10:35	प्रयागराज जंक्शन	10:00	10:05
21:00	----	राजगीर	----	22:50

गाड़ी संरचना : वातानुकूलित प्रथम श्रेणी-01, वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी-01, वातानुकूलित द्वितीय सह तृतीय श्रेणी-01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-05, वातानुकूलि तृतीय श्रेणी-06

नई दिल्ली से : गाड़ी संख्या 04070 प्रत्येक शनिवार एवं मंगलवार दिनांक : 12, 15, 19, 22, 26, 29 अक्टूबर 2024 एवं दिनांक : 02, 05, 09, 12, 16, 19, 23, 26, 30 नवम्बर 2024

राजगीर से : गाड़ी संख्या 04069 प्रत्येक शनिवार एवं मंगलवार दिनांक : 12, 15, 19, 22, 26, 29 अक्टूबर 2024 एवं दिनांक : 02, 05, 09, 12, 16, 19, 23, 26, 30 नवम्बर 2024

गाड़ी संख्या : 03309/03310 धनबाद जंक्शन - जम्मू तवी - धनबाद जंक्शन पूजा विशेष रेलगाड़ी

03309-धनबाद जंक्शन-जम्मू तवी			03310-जम्मू तवी-धनबाद जंक्शन	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	10:10 मंगलवार	धनबाद जंक्शन	14:00	शुक्रवार
21:00	21:10	प्रयागराज जंक्शन	23:15	23:25
00:10	00:20	गोविन्दपुरी	20:05	20:15
05:20	05:25	टूण्डला जंक्शन	15:00	15:05
21:30	बुधवार	जम्मू तवी	बुधवार	23:30

गाड़ी संरचना : वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-20

• **धनबाद जंक्शन से :** गाड़ी संख्या 03309 प्रत्येक मंगलवार दिनांक : 01.10.2024 से 31.12.2024 तक • **जम्मू तवी से :** गाड़ी संख्या 03310 प्रत्येक बुधवार दिनांक : 02.10.2024 से 01.01.2025 तक

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile या वैबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1733/24 (C)

ईमानदारी का कर्म ही मनुष्य का वास्तविक तर्पण है - राजेश तिवारी

प्रयागराज। सच्चाई एवं ईमानदारी के मार्ग से कमाया गया धन मनुष्य को सदैव सुख,शांति एवं समृद्धि सहित आत्मसंतुष्टि प्रदान करता है यह अभिव्यक्ति एशोसिएशन बोरिंग टेक्नीशियन प्रयागराज के जिला मंत्री राजेश तिवारी ने ओम ग्लासेज इण्टर प्राइजेज के प्रोपराइटर सुमित गुप्ता से उनके निज शॉप फाफामऊ प्रयागराज में कही। संज्ञानित कराते चले जिला मंत्री अपने अत्यन्त प्रिय कुछ वरिष्ठ समाजसेवियों एवं शिक्षाविदों के साथ श्रृंगवेरपुर धाम दर्शन हेतु जा रहे थे उसी दौरान प्रोपराइटर श्री गुप्ता से जिला मंत्री की मुलाकात हुई।जिला मंत्री के छोटे भाई झलवा प्रयागराज में जमीन लेकर नया घर बनवा रहे हैं तो घर में टाइल्स,लैट्रिन सीट एवं फाइवर एवं एल्यूमिनियम दरवाजे के उचित दाम की जानकारी हेतु

प्रोपराइटर गुप्ता के ओम ग्लासेज इण्टरप्राइजेज शॉप में पहुँचे हुए थे।जिला मंत्री ने अवगत कराया कि प्रोपराइटर श्री गुप्ता बहुत ही मृदुलभाषी एवं ईमानदार चरित्र के व्यक्तित्व के धनी हैं।प्रोपराइटर सदैव सत्यता के प्रखर अनुयायी हैं एवं न्याय के प्रतिमूर्ति हैं।जिला मंत्री ने आगे बताया कि प्रोपराइटर गुप्ता ने एक एक वस्तुओं का उचित कीमत बताई जो मार्केट रेट से काफी किफायती दिखी।जिला मंत्री ने आगे कहा कि प्रोपराइटर श्री गुप्ता के शॉप में एल्यूमिनियम एवं फाइवर डोर, लैट्रिन सीट,स्लाइडिंग पल्ला पार्टीशन,स्टील रेलिंग इत्यादि मकान के साज सज्जा की वस्तुएं उचित कीमत एवं प्रोपराइटर श्री गुप्ता के कुशल व्यवहार में प्राप्त की जा सकती हैं और जिला मंत्री ने लोगों को यह सलाह दी कि जो भी व्यक्ति मकान के साज सज्जा की वस्तुएं लेना चाहते हैं।वे एकबार जरुर प्रोपराइटर श्री गुप्ता के यहाँ पधारे और उन्हें पक्का विश्वास है कि किसी को कोई शिकायत का मौका प्रोपराइटर श्री गुप्ता द्वारा नही मिलेगा।आगे जिला मंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा की सच्चाई एवं ईमानदारी के मार्ग से कमाया गया धन मनुष्य को सदैव सुख, शांति एवं समृद्धि सहित आत्म संतुष्टि प्रदान करता है जो संसार का सबसे बड़ा सुख है।जिला मंत्री ने आगे यह भी कहा कि सच्चाई का जीवन ही मनुष्य का वास्तविक दर्पण है।ईमानदारी का कर्म ही मनुष्य का वास्तविक तर्पण है।इस सौहार्दपूर्ण परिचर्चा के दौरान वरिष्ठ समाजसेवी एवं भूतपूर्व भाजपा मण्डल अध्यक्ष मेजा पं०रुप नारायण मिश्रा, वरिष्ठ समाजसेवी पं० शेषमणि शुक्ला,शिक्षाविद कमलेश पाण्डेय,शिक्षाविद जोखू लाल पटेल एवं राजकुमार सहित आस पास बहुत से लोग मौजूद रहे।

सीआरबी एवं सीईओ/रेलवे बोर्ड ने किया स्वच्छता पखवाड़ा का उद्घाटन

प्रयागराज। रेल मंत्रालय अपनी स्थापना के बाद से ही हर साल स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन सच्चे मन से करता आ रहा है। भारतीय रेलवे पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का साधन है और यह हमेशा स्वच्छ और हरित पर्यावरण को बढ़ावा देने में सबसे आगे रहा है। इस वर्ष, भारतीय रेलवे 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाएगा। इस वर्ष, स्वच्छ भारत मिशन के शुभारंभ की 10वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में, भारतीय रेलवे 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस मनाने के साथ–साथ 17 सितंबर से 1 अक्टूबर तक श्स्वभाव स्वच्छता – संस्कार स्वच्छताश की थीम पर स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) 2024 अभियान भी मना रहा है। स्वच्छता की भागीदारी, संपूर्ण स्वच्छता और स्वच्छता लक्षित एकाय (सीटीयू–स्वच्छता लक्ष्य इकाइयाँ) और सफाई मित्र सुरक्षा शिविर/शिविर पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। स्वच्छता के लिए 20,135 स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों (सीटीयू) की पहचान की गई है, विभिन्न स्वच्छता संबंधी गति विधियों वाले 48,739 कार्यक्रम आयोजित किए गए और एसएचएस अभियान के दौरान भारतीय रेलवे पर 26,524 जन भागीदारी कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इसके अलावा, भारतीय रेलवे में सफाई मित्रों की भलाई के लिए 2,080 सफाई मित्र सुरक्षा शिविर/स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किए गए हैं। सीआरबी और सीईओ/रेलवे बोर्ड सतीश कुमार ने 1 अक्टूबर को रेल भवन, नई दिल्ली के कॉन्फ्रेंस हॉल से स्वच्छता शपथ दिलाकर स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम का उद्घाटन किया। रेलवे की फील्ड इकाइयों के वरिष्ठ स्तर के अधिकारी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मौजूद थे और उन्होंने अपनी– अपनी फील्ड इकाइयों में स्वच्छता पखवाड़े का उद्घाटन किया। सीआरबी और सीईओ ने रेलवे अधिकारियों को अपने माहौल को साफ–सुथरा रखने के लिए प्रोत्साहित किया उन्होंने जीएम/डीआरएम द्वारा पिछले दशक में स्वच्छता पर किए गए अच्छे कार्यों की भी सराहना की और अधिकारियों को व्यापक स्थानों पर यादृच्छिक निरीक्षण/औचक निरीक्षण करने/सफाई की निगरानी/जांच के लिए नमूना आकार एकत्र करने और प्रभावी स्क्रैप निपटान पर अधिक ध्यान देने की सलाह दी। स्वच्छता पखवाड़ा मनाने के लिए सभी रेलवे फील्ड इकाइयों को एक दैनिक गतिविधि कार्यक्रम भी प्रदान किया गया है। स्टेशन के आस–पास के क्षेत्रों में स्थित रेलवे ट्रैक की सफाई और शहरी/अर्ध शहरी क्षेत्रों में आने वाले ट्रैक के आसपास के क्षेत्रों, नालियों और शौचालयों की सफाई, रेलवे कॉलोनियों, रेलवे भवनों/प्रतिष्ठानों आदि की सफाई पर ध्यान दिया जाएगा। लोगों को बायो–टॉयलेट के उपयोग, सिंगल यूज प्लास्टिक से बचने और स्वच्छता की आदतों का पालन करने आदि के बारे में शिक्षित करने के लिए डिजिटल मीडिया/पीए सिस्टम के माध्यम से सार्वजनिक घोषणा के माध्यम से व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की भी योजना है। लोगों के बीच स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए रेलवे बोर्ड के अधिकारियों द्वारा एक नाटक प्रदर्शन का आयोजन किया गया। "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत रेलवे बोर्ड के अधिकारियों को लगभग 2000 पौधे वितरित किए गए। 'स्वभाव स्वच्छता – संस्कार स्वच्छता' विषय पर निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को सीआरबी और सीईओ/रेलवे बोर्ड द्वारा पुरस्कृत किया गया। स्वच्छता गतिविधियों में लगे रेलवे बोर्ड के कर्मियों के लिए एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

प्राधिकरण द्वारा निर्धारित रंग योजना पर सहमति

प्रयागराज। नरेश गार्डन कटका रोड पर आने वाले भवनों के स्वामियों एवं क्षेत्रीय सभासद के साथ एक बैठक अनार गार्डन गेस्टहाऊस के पास

आहूत की गयी, जिसमे भवन स्वामियों को अपने अध्यासित भवनों के अग्रभाग की मरम्मत ध् सफेदी, रंगाई अथवा पेन्ट कराने का कार्य प्राधिकरण द्वारा निर्धारित रंग योजना के अनुसार अध्यापित द्वारा अपनी लागत से कराये जाने हेतु अवगत कराया गया। बैठक में उपस्थित भवन स्वामियों को पम्पलेट वितरित कर निर्धारित रंगयोजना के अनुसार अपने–2 भवनों को रंगाई पुताई का कार्य करने को कहा गया, जिस पर सभी भवन स्वामियों द्वारा अपनी सहमति जताई गयी।

अवैध निर्माण सील।

प्रयागराज। जोनल अधिकारी के नेतृत्व में जोन–05 के अन्तर्गत अवैध निर्माण पर सीलबन्दी की कार्यवाही की गयी। अनन्त बहादुर सिंह पुत्र श्री धर्मवीर सिंह व श्रीमती दिव्या सिंह द्वारा स्थल देव नगर नाला के पास, चुम्बक फैक्ट्री के पश्चिम झूसी, प्रयागराज में किये गये अवैध निर्माण को सील किया गया। रण विजय व अनुज सिंह द्वारा स्थल लक्ष्मी नगर आवास योजना, लीलापुर रोड नारायण दास का पूरा, झूसी, प्रयागराज में किये गये अवैध निर्माण को सील किया गया। नीलम सिंह पत्नी सन्तोष सिंह द्वारा स्थल देव नगर झूसी, प्रयागराज में किये गये अवैध निर्माण को सील किया गया। उपर्युक्त कार्यवाही में जोनल अधिकारी के अतिरिक्त अवर अभियन्ता, सुपरवाइजर एवं पी०डी०ए० प्रवर्तन टीम आदि उपस्थित रहें।

मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने लेटे हनुमान जी का दर्शन किया।

प्रयागराज। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने बंधवा के लेटे हुए बड़े हनुमान जी का दर्शन पूजन किया तदोपरांत उन्होंने श्रीमठ बाघंबरी गद्दी एवं हनुमान मंदिर के पीठाधीश्वर बलवीर गिरी जी महाराज से भेंट किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि इस अवसर पर बलवीर गिरी जी महाराज ने उन्हें हनुमान जी महाराज का स्मृति चिन्ह देखकर सम्मानित किया और 2025 में लगने वाले महाकुंभ मेंले आने के लिए आमंत्रित किया तत्पश्चात वे मध्य प्रदेश के लिए रवाना हुए प्रयागराज पधारने पर उपमुख्यमंत्री मध्य प्रदेश राजेंद्र शुक्ला का राजेश केसरवानी सुशील जैन, शत्रुघ्न जायसवाल अजय अग्रहरि, नीरज केसरवानी, कमलेश केशरवानी पद्माकर श्रीवास्तव राजेश शर्मा आदि ने स्वागत किया

अपना दल की मरियाहू विधानसभा जिला जौनपुर की पूर्व विधायक डॉ लीना तिवारी ने पूर्व विधायक नीलम करवरिया जी को उनके आवास कल्याणी देवी अतरसुया पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित किया और पूर्व विधायक उदय भान करवरिया और उनके बच्चों से भेंट कर संवेदना व्यक्त किया

केशव स्वच्छता अभियान का शुभारंभ करेंगे।

प्रयागराज। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सेवा पखवाड़े कार्यक्रम के अंतर्गत 2 अक्टूबर को सुबह 7 बजे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य हनुमान मंदिर सिविल लाइन चौराहे में स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छता अभियान का शुभारंभ करेंगे तत्पश्चात सुबह 7रू45 पर पूर्व विधायक नीलम करवारिया जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने उनके आवास कल्याणी देवी अतर सुईया जाएंगे जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि तत्पश्चात उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य 10रू30 बजे बालसन चौराहे पर स्थित महात्मा गांधी जी की प्रतिमा स्थल पर गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे और सुबह 11रू00 बजे सर्किट हाउस के प्रांगण में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे तत्पश्चात भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर के द्वारा आयोजित दोपहर 3रू30 बजे जिला पंचायत सभागार में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा लिखित पुस्तक पर आधारित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और शाम 5 बजे लखनऊ के लिए रवाना होंगे।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062